

विम्बिसार का परिचय

June 2019

JULY

2019

	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30

Sunday

23

विम्बिसार हर्षवर्धन का प्रथम राजा था। वह 543 ई पूर्व मगध की गद्दी पर बैठा था। उसने मगध की राजधानी राजगृह लाया तथा इसे प्राचीन से धारकर सुरक्षित बनाया पहलियों के कारण इसकी सुरक्षा सरल थी।

विम्बिसार ने मगध राज्य की सीमा विस्तार करने के लिए दो नीतियों का अवलम्बन किया (1) विवाह और (2) विजय उसने तीन विवाह किया - कौशल राजा प्रसेनजित की बहन कौशल देवी से (2) लिच्छविराज चेल की कन्या चेलना से और नील पंजाब के

Monday

24

मद्र - राजा की कन्या से। प्रसेनजित ने विम्बिसार को काशी राजा का एक भाग दहेज में दिया जिसे वार्षिक आय एक लाख बढ़ गया इस लाग से उसका आर्थिक चिन्ता दूर हो गया। लिच्छवियों से वैवाहिक सम्बन्ध होने से प्रतिष्ठा में चार चौक आ गया तथा सीमाएँ सुरक्षित हो गया।

विम्बिसार साम्राज्यवर्द्धि प्रवृत्ति

का राजा था उसने सीमा विस्तार करने के लिए पड़ोस के राज्य अंग पर आक्रमण कर अपने राज्य मिला लिया कुछ अन्य राज्य से मित्रता स्थापित किया। मल्ल वत्स, गांधार कुत्तवाज तथा

S	M	T	W	T	F	S
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

June 2019

25 Tuesday

महाराज शास्त्री से कुवली
 बनाया । विनिवशार के मृत्यु के कई कारण
 बताये गये हैं संभवतः उसके पुत्र अज्ञान
 ने उसका वध कर दिया ।

26 Wednesday

महाराज शास्त्री के मृत्यु के बारे में
 बताया गया है कि वह एक विद्वान्
 थे । उनके मृत्यु के कारणों में
 अज्ञान का बड़ा भूमिका बताया गया है ।
 उनके पुत्रों ने उनके वध कर दिया ।
 यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी ।